Today's Poem – 31.07.2014

रक्षाबन्धन का पर्व

है प्रतिज्ञा का पर्व

संगमयुग से ही शुरू होता

इसमें बाबा हमें पवित्र बनाता

अखबारों से ही नाम बाला होगा

इनसे ही बहुतों को सन्देश मिलेगा

पास विद् ऑनर होने के लिए बाप समान ज्ञान सागर बनना

कोई भी अवगुण अन्दर है तो उसकी जांच कर निकाल देना

योगबल इतना जमा करना

आप समान बनाने की सेवा करना

एक पोइन्ट स्वरूप में स्थित होना

आश्चर्य और क्वेश्चनमार्क के बजाए बिन्दु लगाना

अर्थात् विशेष आत्मा बनना

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!